भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4243

उत्तर देने की तारीख 27 मार्च, 2023

सोमवार, 6 चैत्र, 1945 (शक)

शिक्षुता जागरूकता कार्यशाला

4243. श्री बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) की शुरुआत से अब तक आयोजित शिक्षुता जागरूकता की संख्या का रिकार्ड है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार क्या कारण हैं;

(ग) एनएपीएस की स्थापना के बाद से कुल कितने शिक्षुता मेलों का आयोजन किया गया है और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्योरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ऑन-द-जॉब अनुभवात्मक प्रशिक्षण प्रदान करती है; और

(ङ) यदि हां, तो विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान प्रदान किए गए ऐसे प्रशिक्षणों की संख्या का ब्योरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख) शिक्षुता अधिनियम, 1961 और उसके नियमों के अंतर्गत शिक्षुता प्रशिक्षण संबंधी जागरूकता पैदा करने के लिए पूरे देश में शिक्षुता जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। शिक्षुता जागरूकाता प्रशिक्षण भारत सरकार, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा दिया जाता है। इसके अलावा, जनवरी, 2023 से मंत्रालय ने जिला स्तर पर सभी हितधारकों तक पहुंचने के लिए व्यवस्थित अन्तःक्षेप शुरू किया है। तदनुसार, पूरे देश में 250 शिक्षुता जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन 250 कार्यशालाओं में से 80 जागरूकता कार्यशालाएं 15 मार्च 2023 तक 22 राज्यों में आयोजित की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त एनएपीएस के प्रारम्भ से आयोजित शिक्षुता जागरूकता कार्यशालाओं की कुल संख्या 731 हो गई है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची **अनुबंध-I** में है।

(ग) प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) का उपयोग प्रतिष्ठानों और उम्मीदवारों के बीच सक्रिय कार्यकलाप शिक्षुओं के लिए उनकी संबद्धता हेतु एक मंच के रूप में किया जा रहा है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों/उद्योगों में मौजूद विभिन्न अवसरों पर युवाओं को जागरूकता प्रदान करते हुए, पीएमएनएएम युवाओं और प्रतिष्ठानों/उद्योगों को अधिक से अधिक संख्या में शिक्षुता से जोड़ने में मदद करता है। राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों को लिखा गया है कि वे प्रत्येक दूसरे सोमवार को राज्य के कुल जिलों के एक तिहाई हिस्से में पीएमएनएएम का आयोजन करें, जिसमें स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिले/स्थान और मेले के दिन को चुनने की सुविधा हो ताकि सभी जिले तीन माह में एक बार और वर्ष में चार बार कवर किए जा सकें। छोटे संघ राज्य क्षेत्र तीन महीने में एक बार पीएमएनएएम का संचालन कर सकते हैं। जून, 2022 से दिनांक 20-03-2023 तक, पीएमएनएएम में प्रतिष्ठानों/कंपनियों और उम्मीदवारों की सक्रिय भागीदारी देखी गई और इसे देश भर में 1,813 स्थानों पर आयोजित किया गया। आयोजित पीएमएनएएम की संख्या की राज्य/संघ राज्य-वार सूची **अनुबंध-II** पर है। मंत्रालय द्वारा शिक्षुता प्रशिक्षण की दिशा में सुधारों (सुविधा और सरलीकरण प्रक्रिया) के माध्यम से जोर दिया गया और जागरूकता कार्यशालाओं, पीएमएनएएम, प्रतिष्ठानों/नियोक्ताओं के साथ जुड़ाव के माध्यम से छात्रों और प्रतिष्ठानों के बीच शिक्षुता प्रशिक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जनता तक पहुंच सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। परिणामस्वरूप शिक्षुओं की संख्या वर्ष 2019-20 में 2.52 लाख से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 5.8 लाख हो गई है। वर्तमान-वर्ष 2022-23 में सम्बद्ध शिक्षुओं की संख्या 6.70 लाख है।

(घ) और (ङ) शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यरत अनुभवात्मक प्रशिक्षण है जिसे कार्यरत प्रशिक्षण (ओजेटी) भी कहा जाता है। शिशुता प्रशिक्षण को मोटे तौर पर नामित ट्रेडों और वैकल्पिक ट्रेडों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पिछले 3 वर्षों और वर्तमान वर्ष में नामित और वैकल्पिक ट्रेडों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या नीचे दी गई है:

ट्रेड की श्रेणी	20-2019	21-2020	22-2021	23-2022*
नामित ट्रेड	1,22,303	1,29,648	2,25,765	2,38,067
वैकल्पिक ट्रेड	83,669	1,78,070	3,64,123	4,40,963

*1 मार्च 2023 तक के आंकड़ें

अनुबंध-I

दिनांक 27-03-2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या: 4243 के संदर्भ में

आयोजित शिक्षुता जागरूकता कार्यशालाओं की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या

20-03-2023 तक

क्र.सं.	राज्य का नाम	आयोजित कार्यशालाओं की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-
2	आंध्र प्रदेश	22
3	अरुणाचल प्रदेश	0
4	असम	5
5	बिहार	16
6	चंडीगढ़	18
7	छत्तीसगढ	3
8	दादरा और नगर हवेली दमन और दीव	2
9	दिल्ली	52
10	गोवा	17
11	गुजरात	3
12	हरियाणा	20
13	हिमाचल प्रदेश	25
14	जम्मू और कश्मीर	6
15	झारखंड	12
16	कर्नाटक	1
17	केरल	3
18	लद्दाख	0
19	लक्षद्वीप	0
20	मध्य प्रदेश	35
21	महाराष्ट्र	21
22	मणिपुर	1
23	मेघालय	0
24	मिजोरम	1
25	नगालैंड	0
26	ओडिशा	17
27	पुदुचेरी	0
28	पंजाब	19
29	राजस्थान	18
30	सिक्किम	1
31	तमिलनाडु	43
32	तेलंगाना	39
33	त्रिपुरा	1
34	उत्तर प्रदेश	30
35	उत्तराखंड	9
36	पश्चिम बंगाल	48
37	राष्ट्रीय कौशल विकास निगम	243
	योग	**731**

अनुबंध-II

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेलों (पीएमएनएएम) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या

22-03-2023 तक

क्र.सं.	राज्य संघ/राज्य क्षेत्र	पीएमएनएएम की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-
2	आंध्र प्रदेश	84
3	अरुणाचल प्रदेश	13
4	असम	48
5	बिहार	91
6	चंडीगढ़	2
7	छत्तीसगढ	71
8	दादरा नगर हवेली और दमन और दीव	6
9	दिल्ली	23
10	गोवा	2
11	गुजरात	236
12	हरियाणा	56
13	हिमाचल प्रदेश	29
14	जम्मू और कश्मीर	47
15	झारखंड	64
16	कर्नाटक	68
17	केरल	44
18	लद्दाख	-
19	लक्षद्वीप	1
20	मध्य प्रदेश	104
21	महाराष्ट्र	109
22	मणिपुर	-
23	मेघालय	4
24	मिजोरम	3
25	नगालैंड	-
26	ओडिशा	89
27	पुदुचेरी	5
28	पंजाब	68
29	राजस्थान	92
30	सिक्किम	6
31	तमिलनाडु	108
32	तेलंगाना	70
33	त्रिपुरा	11
34	उत्तर प्रदेश	216
35	उत्तराखंड	13
36	पश्चिम बंगाल	30
	योग	**1,813***

*इस गणना में 20-03-2023 को आयोजित पीएमएनएएम के स्थान शामिल हैं, जिसके लिए आंकड़े सूचित किए गए हैं।

******